25 years CUTS International 1983 2008

बाल दर्पण

Exchange of ideas for a better childhood

CUTS CHD

गुणात्मक प्रारम्भिक शिक्षा परियोजना के अंतर्गत प्रकाशित

Save the Children

नवम्बर 2009-मार्च 2010

संपादक की कलम से...

बच्चा सही राह पर चलकर अपना जीवन संवार सके इसके लिए जरूरी है कि उसे समय पर सही मार्गदर्शन एवं गुणात्मक शिक्षा मिल पाए। यह सर्वविदित है कि बच्चे बहुमुखी प्रतिभाओं के धनी होते हैं। उनमें छिपी प्रतिभाओं को निखारने में अध्यापकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। कट्स द्वारा संचालित गुणात्मक प्रारंभिक शिक्षा परियोजना के गांवों में सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। इसके लिए अध्यापक, समुदाय एवं बच्चे बधाई के पात्र हैं। परियोजना क्षेत्र के संबन्धित घटक आपसी समन्वय से अपने गांवों की शिक्षा को बेहतर बनाने के लिये प्रयासरत हैं, जो कि परियोजना की सफलता के लिये शुभ संकेत है। बाल दर्पण के पिछले अंक को मिली सराहना को ध्यान में रखते हुए इस अंक को और अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास किया गया है। आशा है कि बाल दर्पण का यह अंक आपको पसन्द आएगा। इस अंक के बारे में आपके सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी।

आशीष त्रिपाठी
केन्द्र समन्वयक

जिला स्तरीय संवाद

राष्ट्रीय बाल श्रमिक परियोजना के तहत् चित्तौड़गढ़ जिले में 33 बाल श्रमिक विद्यालय संचालित किये जा रहे थे। नवम्बर माह में श्रम विभाग चित्तौड़गढ़ ने उन विद्यालयों को तुरंत प्रभाव से स्थगित करने का आदेश जारी कर दिया। इस आदेश के विरूद्ध स्थगित विद्यालयों को पुनः संचालित करवाने हेतु 8 दिसम्बर, 2009 को कट्स और जिला स्वयं सेवी संस्था मंच चित्तौड़गढ़ के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय संवाद का आयोजन किया गया।

संवाद कार्यक्रम में उपश्रम आयुक्त सज्जनसिंह चौहान ने बताया कि श्रम आयुक्त के निर्देश से जिले में संचालित विद्यालयों को स्थगित किया है। हाल ही में उच्च अधिकारियों से विद्यालयों को पुनः संचालित करने के मौखिक निर्देश प्राप्त हुए हैं। जल्द ही सभी विद्यालय संचालकों को विद्यालय पुनः संचालित किये जाने के निर्देश दे दिये जाएंगे।

इस अवसर पर सेव द चिल्ड्रन के राज्य समन्वयक विश्व रंजन पटनायक ने कहा कि बाल श्रमिक विद्यालयों को पुनः संचालित करवाने हेतु राज्य स्तर पर पैरवी की जा रही है। बाल श्रम विरूद्ध अभियान के राज्य समन्वयक मलय कुमार ने कहा कि बच्चों को शिक्षा के अधिकार से वंचित करना हमारी कल्याणकारी सरकार की बड़ी भूल है। यदि हमें बच्चों के हितों से जुड़े मुददों पर कार्य करना है तो एकजुटता दिखाकर बच्चों के अधिकारों की वकालत करनी होगी।

अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक श्रीमती नर्बदा भाम्बी ने श्रमिक विद्यालयों को नियमित रूप से संचालित करने के लिए श्रम विभाग से अपेक्षा करते हुए कहा कि श्रमिक बच्चों को शिक्षा से वंचित करने के बजाए जोड़ने पर ज्यादा ज़ोर देना चाहिए। अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक श्रीमती चन्द्रकांता त्रिपाठी ने बच्चों के लिए शिक्षा के सुअवसर उपलब्ध कराने में सामूहिक भागीदारी पर ज़ोर देते हुए कहा कि शिक्षित बच्चे देश के भावी नागरिक हैं, इन्हें शिक्षा से जोड़ें। वरिष्ठ अधिवक्ता भंवरलाल सिसोदिया ने बाल श्रमिक विद्यालयों के बन्द होने को एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया।

कट्स समन्वयक आशीष त्रिपाठी ने बताया कि कट्स संस्था बाल श्रमिक बच्चों के मुद्दों के प्रति संवेदनशील है और जब से श्रमिक विद्यालयों का संचालन स्थगित हुआ तब से जिला एवं राज्य स्तर पर विभिन्न हितगामियों के साथ संवाद स्थापित कर पैरवी करने की रणनीति तैयार कर रही है। संवाद में 7 जिलों के बाल श्रमिक विद्यालय संचालक, जिला स्वयं सेवी संस्था मंच से जुड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधियों सहित 75 सहभागियों ने भाग लिया।

शर्माना छोड़ जाने लगी स्कूल

बाल पंचायतों के प्रभाव से बालिकाओं में झिझक कम होने लगी है। 25 दिसम्बर, 2009 को ग्राम पंचायत चिकसी के गाँव बनष्ठी में आयोजित जीवन कौशल प्रशिक्षण में बालिकाओं की उपस्थिति कम होने पर कट्स प्रतिनिधि ने गाँव में जाकर बालिकाओं को बुलाने का निर्णय लिया। जब गांव में बालिकाओं से सम्पर्क किया जा रहा था तभी एक बालिका दिखाई दी। जब बालिका को प्रशिक्षण में आने को कहा तो उसने बताया कि मैंने पढ़ाई छोड़ दी है। बालिका के पिता वरदाजी गुर्जर व माता ने बताया कि हम तो सीमा को पढ़ाना चाहते हैं लेकिन यह खुद नहीं पढ़ने जा रही है। बालिका से बार बार पूछने पर पता लगा कि कक्षा में सबसे बड़ी उम्र की होने के कारण उसे शर्म आती है। समझा बुझाकर कर सीमा को प्रशिक्षण में लाया गया। सीमा ने दोनों दिन जीवन कौशल शिक्षा प्रशिक्षण में भाग लिया। सभी बच्चों को देख उसके मन में पुनः पढ़ने की इच्छा जागृत हुई। कट्स प्रतिनिधि ने स्थानीय विद्यालय के प्रधानाध्यापक से बात कर सीमा को पुनः प्रवेश देने का निवेदन किया। इस पर प्रधानाध्यापक ने अपनी सहमति दी। 1 जनवरी को सचेतक रतनलाल प्रजापत ने सीमा को कक्षा 4 में पुनः प्रवेश दिलाया। अब सीमा शर्माना छोड़ नियमित रूप से स्कूल जाने लगी है।

इस अंक में...

- क्यों काटे जाते पेड़?
- मध्यान्ह भोजन योजना प्रभावशीलता आंकलन सर्वे
- ग्राम स्तरीय जन सुनवाई
- मीडिया

क्यों काटे जाते पेड़ ?

सबके जीवनदाता पेड़,
सबके भाग्य विधाता पेड़,
फल, फूल, दवा, छाल और लकड़ी,
के सबसे बड़े दाता पेड़।
वायु प्रदूषण दूर भगाकर,
अपना फर्ज़ निभाते पेड़,
बादलों को आकर्षित कर,
वर्षा भी करवाते पेड़,
धरती को हरी भरी कर,
हरियाली फैलाते पेड़।
पर्यावरण को संतुलित कर,
सबको जीवन देते पेड़,
आदिकाल से सेवा करते,
फिर भी क्यों काटे जाते पेड़?

भावना
बाल पंचायत अध्यक्ष, बिलोला

बेटियाँ

बेटी बनकर आयी हूँ मां बाप के जीवन में।
बसेरा होगा कल मेरा किसी और के आंगन में।
क्यों ये रीत किसी ने बनाई होगी।
कहते हैं आज नहीं तो कल तू पराई होगी।।
देकर जन्म, पाला पोसा जिसने हमे बड़ा किया।
वक्त आया तो उन्हीं हाथों से हमें विदा किया।।
बेटियां इसे समझ कर परिभाषा जीवन की ।
बना देती है अभिलाषा एक अटूट बंधन की ।।
क्यूं ये रिश्ता हमारा इतना अजीब होता है।
क्या बस हम बेटियों का यही नसीब होता है ।।

संकलित

कहीं अंधेर न हो जाये

बाल पंचायतों का गाँव की अन्य समस्याओं पर भी ध्यान केन्द्रित होने लगा है। गाँव देवरी की बाल पंचायत के सदस्य नारायण लाल डाँगी को सड़क के किनारे पर स्थित खुले बोरवेल से दुर्घटना की आशंका हुई। नारायण ने बाल पंचायत को इस स्थिति के बारे में अवगत कराया। बाल पंचायत ने बोरवेल को ढंकने का निर्णय लिया एवं बाल पंचायत सदस्यों ने मिलकर ट्यूबवेल के बोर में कांटे भर दिये। बाल पंचायत की आगामी योजना गाँव से चंदा एकत्रित कर ट्यूबवेल के आसपास तारबंदी करवाने की है।

बांता ज्ञान री...

आओ जरा हँस लें

तीन मूर्ख मोटरसाईकिल पर सवारी कर रहे थे।
ट्रैफिक पुलिस – उन्हें रोकते हुए, "तुम्हे पता नहीं कि मोटरसाईकिल पर तीन लोगों का बैठना जुर्म है।"
एक मूर्ख – "पता है साहब तभी तो एक को घर छोड़ने जा रहे हैं।"

नाजिश – खेड़ा बनष्ठी

सोहन और मोहन सो रहे थे तभी एक चोर आया और सोहन का कंबल लेकर भाग गया।
सोहन चिल्लाया – पकड़ो पकड़ो चोर मेरा कम्बल ले गया।
मोहन – अभी सो जाओ जब वह तकिया लेने आयेगा तब पकड़ेंगे।

मुस्कान – खेड़ा बनष्ठी

एक से दस

एक राजा का सुन्दर बेटा।
दो दिन से बिस्तर पर लेटा।
तीन महात्मा मिलने आये।
चार दवा की पुड़िया लाये।
पांच मिनट में गरम कराई।
छः छः घण्टे में दवा पिलाई
सात दिवस पर नयना खोले
आठ दिवस पर मां से बोले
नौ दिवस पर दौड़ लगाई
दस तक गिनती हमें सिखाई

बाबू लाल, बिलोला

सुगणा री अकल

वणेटी गांव री सुगणा रोज भणवा जावती। सुगणा भणवा में हुंशीयार पण खाणो खावा में ठाम ओश्याळी। अणी तरेऊ भुख काटता काटता सुगणा री हालत वगड़वा लागी। घर वाळा एक दन सुगणा ने देवरे ले ग्या। भोपाजी बोल्या के या छोरी वइरा में अइगी है, दीतवार ने तीन गेला फाटे वटे ठीकरो मेल दीज्यो। सुगणा रा बापु दीतवार रे दन ठीकरो मेल्यो पण कई फरक नी पड्यो। दन दन सुगणा री हालत वगड़ती गी। एक दन सुगणा ने सरकारी सफा खाने लेग्या। डाक्टर सा सुगणा रो मुफत में ईलाज कर्यो। सुगणा तीन दन में ठीक होई गी। डाक्टर साब री सलाह रे मुताबिक सुगणा खून बढ़वा री गोल्या रे लारे लीली पिळी साग खावा लागी। एक महिना में सुगणा मुंगफली भरावे ज्यू भराई गी ने रोज भणवा जावा लाग गी। सुगणा रे तीन टेम खाणो खावा री अकल आई। अबे सुगणा बाल सभा रा टाबरा ने युं केवती फिरे के – *"खाणो खावो टेम पे ने स्कूल चालो टेम पे।"*

मदन कीर, कट्स

बूझो तो जानें

चार पांव का पर चल न पाऊँ
बिना हिलाए हिल न पाऊँ
देता हूँ सब को आराम
बोलो क्या है मेरा नाम

काला मुँह गोरा बदन

दिलशाद खान
खेड़ा बनष्ठी

उत्तर : चारपाई, माचिस की तीली

मध्यान्ह भोजन योजना प्रभावशीलता आकलन सर्वे

मध्यान्ह भोजन योजना की प्रभावशीलता आंकलन हेतु 15 से 19 जनवरी, 2010 को बिलोदा, मीणों का कंथारिया, घाघसा, सेमलिया, बोजुन्दा, रघुनाथपुरा, बनष्ठी एवं ओछड़ी गाँव के विद्यालयों में सर्वे किया गया।

सर्वे का मुख्य उद्देश्य मध्यान्ह भोजन योजना की वर्तमान स्थिति का आंकलन करना, योजना के तहत मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता के बारे में राय जानना एवं योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के मुद्दों की पहचान करना था। सर्वे के दौरान आठ विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों से साक्षात्कार एवं समूह चर्चा के माध्यम से मध्यान्ह भोजन योजना के बारे में जानकारी ली गई।

ग्राम स्तरीय जन सुनवाई

5 से 10 मार्च तक ग्राम स्तर पर जन सुनवाई सप्ताह का आयोजन किया गया। इस दौरान कट्स द्वारा आयोजित गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया एवं कार्यक्रम की समीक्षा की गई। इस अवसर पर जन समुदाय को विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति सदस्यों से भी परिचय कराया गया। अभिभावक एवं बाल पंचायत सदस्यों ने परियोजना प्रभाव के बारे में विचार व्यक्त किये। बच्चों ने नाटक, गीत व कविता प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभाऐं प्रदर्शित की।

जन सम्मेलन के दौरान परियोजना क्रियान्वयन में सक्रिय सहयोग करने वाले एवं नव निर्वाचित पंचायती राज जन प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। इस दौरान शिक्षा से जुड़े ग्राम स्तरीय मुद्दों की पहचान कर समुदाय को उस मुद्दे पर कार्य करने हेतु प्रेरित किया गया। 28 गाँवों में आयोजित जन सुनवाई के दौरान अभिभावक, पंचायतीराज जन प्रतिनिधि, बाल सभा सदस्य सहित 1530 सहभागियों ने भाग लिया।

जन सुनवाई

16 दिसम्बर, 2009 को कट्स मानव विकास केन्द्र पर जन सुनवाई का आयोजन किया गया। जन सुनवाई के दौरान लोगों ने अपने गाँव की शिक्षण व्यवस्था से जुड़ी हुई समस्याऐं रखी। मुख्य रूप से मध्यान्ह भोजन व्यवस्था, मापदण्ड के अनुसार शिक्षक संख्या, शिक्षकों का असमान बंटवारा, विद्यालय भवन, शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था, चार दीवारी एवं आँगनबाड़ी केन्द्र से जुड़ी समस्याऐं रखी। अधिकतर लोगों ने मध्यान्ह भोजन योजना की वर्तमान व्यवस्था के प्रति असंतोष व्यक्त करते हुए भोजन बच्चों के स्वाद के अनुसार व्यवस्था करने, स्कूल परिसर के आस पास लगी शराब एवं बीड़ी सिगरेट की दुकानों को हटवाने की मांग की।

अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण इनाणी ने कहा कि कई समस्याऐं ऐसी हैं जिनका समाधान अपने स्तर पर कर समुदाय जागरूक होने का परिचय दे। उन्होंने कहा कि शिक्षा की बेहतरी के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं एवं प्रावधानों के बारे में समुदाय को जागरूक होना चाहिए। पंचायत समिति सदस्य चतुर्भुज जाट ने कहा कि जिस गाँव का शिक्षा का स्तर अच्छा होगा वह गाँव जल्दी प्रगति करेगा, लेकिन जरूरी यह है कि अभिभावक अपनी जिम्मेदारी को ईमानदारी से निभाएं।

केन्द्र समन्वयक आशीष त्रिपाठी ने कहा कि अध्यापकों की सक्रिय सहभागिता एवं जोखिमपूर्ण कार्य में लगे बच्चों के प्रति संवेदनशीलता से ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की संकल्पना को साकार किया जा सकता है। परियोजना प्रभारी संजय मौड़ ने परियोजना प्रगति के बारे में अवगत कराते हुए विद्यालय स्तर पर पुस्तकालय एवं खेल कालांश के नियमित संचालन की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। कार्यक्रम का संचालन मदन कीर एवं नीतू जोशी ने किया व आभार चंदा जाट ने व्यक्त किया। उक्त कार्यक्रम में अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण ईनाणी, ग्राम पंचायत देवरी के सरपंच भीमा भील, जालमपुरा के सरपंच रामलाल जाट, सर्व शिक्षा अभियान के संकुल संदर्भ केन्द्र प्रभारी श्रीमती कृष्णा शर्मा, सीताराम जाट, चित्तौड़गढ़ पंचायत समिति के 28 गाँवों से जागरूक महिला, पुरूष, पंचायतीराज जनप्रतिनिधि, विद्यालय विकास एवं प्रबन्धन समिति सदस्य सहित 246 लोग उपस्थित थे।

बच्चों का सीख स्तर आंकलन सर्वे

11 से 13 नवम्बर, 2009 तक परियोजना क्षेत्र के जालमपुरा, चिकसी, देवरी, बनष्ठी, सहनवा, ओछड़ी, पारलिया व सेमलिया के विद्यालयों में कक्षा तीसरी से पाँचवीं तक के बच्चों का सीख स्तर का आंकलन सर्वे किया गया। सर्वे में 204 बालक एवं 194 बालिकाओं सहित 398 बच्चों का लिखित एवं मौखिक टेस्ट लिया गया।

अध्यापक प्रशिक्षण

24 नवम्बर, 2009 को कट्स मानव विकास केन्द्र पर ''सामाजिक समावेश एवं बाल अधिकार'' विषय पर अध्यापक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। एक दिवसीय प्रशिक्षण में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) श्रीमती चन्द्रकांता त्रिपाठी ने कहा कि विद्यालय में बाल मित्र वातावरण बने ताकि बच्चे विद्यालय की ओर आकर्षित हों। सेवानिवृत्त अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक सुरेशचंद्र शर्मा ने सर्वशिक्षा अभियान की ओर से दी जाने वाली राशि को समय पर सदुपयोग करने बात कही। डाईट प्राचार्य श्रीमती मीना राघानी ने बाल अधिकार पर विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर राघानी ने जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के कार्य के बारे में जानकारी प्रदान की।

कट्स मानव विकास केन्द्र के समन्वयक आशीष त्रिपाठी ने गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने में अध्यापकों की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। अध्यापकों की संवेदनशीलता बढ़ाने हेतु समय–समय पर कार्यशाला आयोजित होनी चाहिए। इस अवसर पर नीतू जोशी ने बाल प्रताड़ना, मदन कीर ने बाल अधिकार व संजय मौड़ ने कक्षा में शारीरिक दण्ड के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। अतिथियों द्वारा विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति सदस्यों के लिए प्रकाशित ''बांता ज्ञान री'' (भाग 2) पुस्तक का विमोचन किया गया। उक्त प्रशिक्षण में पंचायत समिति चित्तौड़गढ़ के 29 शिक्षक एवं 16 शिक्षिकाओं सहित 45 सहभागियों ने भाग लिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

25 नवम्बर, 2009 को नेहरू युवा संस्थान अरनोदा के सहयोग से राजकीय माध्यमिक विद्यालय देवरी में सॉंस्कृतिक कार्यक्रम किया गया। गीत, नाटक, भजन, कविता एवं नृत्य के माध्यम से बालिका शिक्षा, बाल श्रम, बाल विवाह, एच.आई.वी./एड्स एवं पर्यावरण के प्रति जन समुदाय में जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान कट्स प्रतिनिधियों ने गुणात्मक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु कट्स द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) श्रीमती चंद्रकांता त्रिपाठी, कट्स के स्टाफ सदस्य एवं देवरी गाँव के 70 महिला, 100 पुरूष एवं 80 बच्चों सहित 250 सहभागियों नें भाग लिया।

जीवन कौशल प्रशिक्षण

सीख स्तर आंकलन सर्वे

SDMC के बाल सदस्यों का प्रशिक्षण

शिक्षक आमुखीकरण

मुख्य हितधारक बैठक

जन सम्मेलन

जन सुनवाई

सचेतक प्रशिक्षण

मध्याह्न भोजन सर्वे

मीडिया

बाल श्रमिक स्कूल पुन: संचालित होंगे

उप श्रम आयुक्त सज्जन सिंह चौहान ने दी जानकारी

'जागरूक अध्यापक गुणात्मक शिक्षा की नींव'

चित्तौड़गढ़, 18 फरवरी (पसं.)। सामाजिक विकास के क्षेत्र में कार्यरत स्वयंसेवी संगठन कट्स इन्टरनेशनल द्वारा रावला सेंती मेंगुरुवार को एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कट्स मानव विकास केन्द्र के समन्वयक आशीष त्रिपाठी के अनुसार सेव द चिल्ड्रन के सहयोग से चलाई जा रही 'गुणात्मक

एक दिवसीय हितधारक प्रशिक्षण आयोजित

शिक्षा ज्ञान प्राप्त करने का सोपान: जाट

स्कूल बंद होना बाल अधिकारों का हनन

गुणात्मक शिक्षा को लेकर हुई जनसुनवाई

बालकों की क्षमताएं निखारें

चित्तौड़गढ़, 23 फरवरी (पसं.)। बालकों में असीम क्षमताएं हैं। आवश्यकता है उन्हे निखारे जाने की। यह विचार उपजिला प्रमुख मीठूलाल जाट ने मंगलवार को कट्स की ओर से अपनी गुणात्मक प्रारंभिक शिक्षा परियोजना के तहत रावला सेंती में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त सकेगा। सर्व शिक्षा अभियान के सहायक जिला परियोजना समन्वयक मोहम्मद अजमेरी ने बच्चों व अभि के बीच शैक्षणिक सं जरुरत बताई। कार्यक्र सूर्यप्रकाश पाठक, शर्मा और पंचायत समिति बद्रीलाल मेधवाल सम्बोधित किया।

गुणात्मक शिक्षा पर की जन सुनवाई

चित्तौड़गढ़, 16 दिसम्बर (पसं.)। स्वयंसेवी संगठन

गुणात्मक शिक्षा पर जनसम्मेलन आयोजित

बालकों की क्षमताएं निखारें

मुद्रक : के.बी.एस. प्रिण्टर्स

कट्स मानव विकास केन्द्र
सेंती (रावला), चित्तौड़गढ़, फोन : (01472) : 241472 फैक्स : 240072
E-mail : chd@cuts.org, Website : www.cuts-international.org